पल पल से जिंदगी बनती है

किसीभी पल को गवाना नही

बाहर का माहोल कैसा भी हो

दिल का आलम संवारके रखो---

सुख दुख की भावना

सबकी अलग होती है

पर आत्मा की लगन

नही रखती कोई बंधन---

हमारा नसीब बनता है

सिर्फ अपने कर्मोसे

दुसरेके सोचकी खोज

करना बिलकुल फिझुल है----

सारे सवालोका जबाब

जानना जरुरी नही है

बिना जवाबके भी

जिंदगी आगे बढ जाती है---

सभीको हरदम खुश रखना

हरपल मुमकिन नही है

मगर किसीको दुखी न करना

बहुत ही आसान है--